

माध्यम से खींचकर कृत्रिम साँस लेने की क्रिया।  
inhalation

**निश्वास** पुं. (तत्.) 1. स्वाभाविक रूप से नाक या मुँह से बाहर निकलने वाला श्वास या साँस 2. शोक, पीड़ा की सूचक गहरी या ठंडी श्वास।

**निश्शंक** वि. (तत्.) 1. जो किसी प्रकार के भय व आशंका से रहित हो, शंका रहित 2. निर्भय, निडर 3. तनाव रहित क्रि.वि. बेधड़क।

**निश्शक्त** वि. (तत्.) 1. शक्ति या सामर्थ्य से हीन, असमर्थ, शक्तिहीन 2. किसी कार्य को करने के अयोग्य 3. आंगिक दोष के कारण जो असमर्थ हो।

**निश्शक्तता** स्त्री. (तत्.) 1. शक्ति या सामर्थ्य से रहित होने का भाव 2. किसी व्यक्ति को उसके कार्य से संबंधित अयोग्य बताने वाली बात 3. विकलांगता।

**निश्शब्द** वि. (तत्.) [निः+शब्द] 1. शब्द (आवाज) रहित (स्थान), सुनसान 2. जो शब्द या आवाज नहीं कर सकता हो जैसे- निःशब्द मयूरपक्षी 3. शांत वातावरण।

**निश्शब्दता** स्त्री. (तत्.) निःशब्द होने की क्रिया या भाव।

**निश्शरण** वि. (तत्.) 1. जो शरण रहित हो, शरणहीन 2. जिसका कोई आश्रय या आश्रयदाता न हो 3. अनाथ, दीन।

**निश्शस्त्र** वि. (तत्.) 1. जो किसी प्रकार के शस्त्र से रहित हो, शस्त्रहीन 2. जो बिना शस्त्र के युद्ध कर रहा हो विलो. सशस्त्र।

**निश्शस्त्रीकरण/निरस्त्रीकरण** पुं. (तत्.) 1. किसी को अस्त्र-शस्त्र से रहित करने का भाव 2. राज. राजनैतिक दृष्टि से अस्त्र-शस्त्रों के प्रयोग को सीमित करना 3. राज. युद्ध की संभावना होने पर किसी देश को सैनिक सहायता देना या अस्त्र-शस्त्र देना बंद करना 4. अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि से विश्व शांति के लिए सैनिकों की संख्या घटाकर अस्त्रों, शस्त्रों को परिसीमित करना

अर्थात् किसी प्रकार के युद्ध की संभावना को कम करना।

**निश्शस्त्रीकृत/निरस्त्रीकृत** वि. (तत्.) 1. योद्धा आदि जिसके शस्त्र छीन लिये गए हों 2. राज. जिस देश का सैन्यबल तथा परमाणु अस्त्र-शस्त्र आदि सीमित कर दिये गए हों।

**निश्शेषण** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु या वस्तुओं को कम करना या कम हो जाना या घटना या घटाना 2. खाली करना या होना 3. समाप्ति 4. थकान विज्ञा. 1. रेचन 2. साँस बाहर निकालने की क्रिया- प्राणायाम 3. किसी औषधि द्वारा पेट साफ करने की क्रिया।

**निश्शोध्य** वि. (तत्.) [निस्+शोध्य] 1. जो पूरी तरह परिमार्जित हो, शुद्ध, स्वच्छ 2. जिसे स्वच्छ करने की आवश्यकता न हो, साफ-सुथरा।

**निषंग** पुं. (तत्.) 1. प्राचीन काल में बाण रखने का विशेष आसन या आवरण जिसे सैनिक या योद्धा पीठ के पीछे बाँधता था, तरकश 2. पर्या. तूणीर 3. तलवार 4. आलिंगन।

**निषंगी** वि. (तत्.) 1. तूणीर या तरकश रखने वाला 2. तलवार धारण करने वाला 3. आलिंगन करने वाला, अत्यंत आसक्ति वाला पुं. 1. धनुर्धर, तीरंदाज 2. धृतराष्ट्र का एक पुत्र।

**निषण** वि. (तत्.) 1. किसी स्थान या आसन पर बैठा हुआ 2. जिसको सहारा मिला हुआ हो 3. उदास।

**निषदन** पुं. (तत्.) ललित कला 1. रंगमंचीय उचित व्यवस्था 2. नाटक में पात्रों तथा वाद्ययंत्रों का उचित व्यवस्थापन 3. भूमि व्यवस्था 4. शोधन/ परिशोधन 5. निर्धारण 6. उपनिवेश, आवास 7. बैठना 8. आसन।

**निषध** पुं. (तत्.) संगी. 1. निषाद नामक संगीत का स्वर जो सप्त स्वरों में अंतिम माना जाता है 2. एक प्राचीन देश जहाँ का राजा नल था 3. जनमेजय का एक पुत्र 4. एक पर्वत जो हेमकूट से उत्तर दिशा में माना गया है वि. कठिन।